बी.एड कॉलेज में होने वाली प्रार्थना सभा से प्रशिक्षणार्थियों में विकसित होने वाले कौशलों एवं मूल्य परिवर्तन का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की मास्टर ऑफ एजुकेशन (आर.आई.ई.)

उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

लघु शोध प्रबंध

वर्ष 2013-14

निर्देशक

डॉ. श्रीमती रत्नमाला आर्य
(सह प्राध्यापक)
शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
भोपाल

शोधकर्ता

अनिरूध्ध सिंह राउलजी
एम.एड.

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान

(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली)

श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

बी.एड़ कॉलेज में होने वाली प्रार्थना सभा से प्रशिक्षणार्थियों में विकसित होने वाले कौशलों एवं मूल्य परिर्वतन का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की मास्टर ऑफ एजुकेशन (आर.आई.ई.)

उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु

विद्ययाऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

लघु शोध-प्रबंध

वर्ष 2013-14

R — 411

निर्देशक

डॉ. श्रीमती रत्नमाला आर्य
(सह प्राध्यापक)
शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
भोपाल

शोधकर्ता

अनिरूध्ध सिंह राउलजी
एम.एड.

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल मध्य प्रदेश
Regional Institute of Education, Bhopal
पुस्तकालय
Library

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान

(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली)

श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

घोषणा–पत्र

मैं अनिरुध्ध सिंह राउलजी, एम.एड. छात्र (आर.आई.ई.भोपाल) यह घोषणा करता हूँ कि **"बी.एड कॉलेज में होने वाली प्रार्थना सभा से प्रशिक्षणार्थियों में विकसित होने वाले कौशलों एवं मूल्य परिर्वतन का अध्ययन"** विषय पर लघु–शोध प्रबंध डॉ. रत्नमाला आर्य (सह–प्राध्यापक) क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल के निर्देशन में पूर्ण किया गया है। इस शोध में लिए गये प्रदत्त एवं सूचनाएं विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त की गयी है तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक है। यह लघुशोध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (आर.आई.ई.) **2013–14** की उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

स्थानः क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान

दिनांकः

शोधकर्ता

अनिरुध्ध सिंह राउलजी

एम.एड.छात्र

क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.),

श्यामला हिल्स, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल एन.सी.ई.आर.टी.
Regional Institute of Education, Bhopal
पुस्तकालय
Library

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **अनिरूध्ध सिंह राउलजी** जो कि क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.), श्यामला हिल्स, भोपाल में नियमित विद्यार्थी के रूप में अध्ययनरत है, ने एम.एड. (आर.आई.ई.) में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु लघु–शोध प्रबंध कार्य **बी.एड कॉलेज में होने वाली प्रार्थना सभा से प्रशिक्षणार्थियों में विकसित होने वाले कौशलों एवं मूल्य परिर्वतन का अध्ययन** मेरे निर्देशन में विधिवत पूर्ण किया है। प्रस्तुत लघु–शोध प्रबंध पूर्णतया मौलिक है, जिसे मेहनत, ईमानदारी तथा पूर्ण निष्ठा से किया गया है एवं पूर्व में इस आशय से बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल में प्रस्तुत नहीं किया गया है। प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की सत्र 2013–2014 की एम.एड. (आर.आई.ई.) में स्नातकोत्तर उपाधि परीक्षा की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान Regional Institute of Education, Bhopal
पुस्तकालय Library

स्थानः क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान

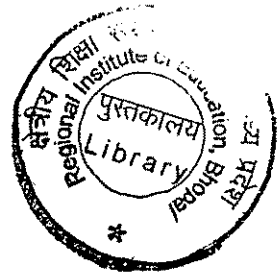

दिनांकः

निर्देशक

6/5/15

डॉ. रत्नमाला आर्य

(सह–प्राध्यापक) शिक्षा विभाग

क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.)

श्यामला हिल्स, भोपाल

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लधु शोध प्रबंध **"बी.एड़ कॉलेज में होने वाली प्रार्थना सभा से प्रशिक्षणार्थियों में विकसित होने वाले कौशलों एवं मूल्य परिवर्तन का अध्ययन"** की संपन्नता का सम्पूर्ण श्रेय मेरे मार्गदर्शक डॉ. रत्नमाला आर्य, सह-प्राध्यापिका (शिक्षा-विभाग) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, (एन.सी.ई.आर.टी) भोपाल को है। उन्होंने अपनी संरक्षण में मुझे कार्य करने का अमूल्य अवसर प्रदान किया। इतना ही नहीं उन्होंने अत्यधिक व्यस्तता के बावजूद अपने सौहार्दपूर्ण व्यवहार के द्वारा मेरी कठिनाई का निराकरण किया। निरन्तर उचित परामर्श पर्याप्त निर्देशन तथा अनवरत प्रोत्साहन देकर शोध कार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया। अतः मैं आपका ऋणी रहूँगा।

मैं आदरणीय प्राचार्य डॉ. एच. के. सेनापती, अधिष्ठाता डॉ. रीता शर्मा एवं डॉ. बी. रमेशबाबू (शिक्षा विभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय शिक्षासंस्थान, भोपाल) के स्नेहपूर्ण व्यवहार सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु हृदय से आभारी हूँ।

मैं डॉ. नियाती चरण ओझा, डॉ. किरण माथुर, डॉ. के. के. खरे, श्री संजय कुमार पंडागले, श्री आनंद वाल्मिकी एवं समस्त गुरूजनों का हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने समय - समय पर सेमीनार में उचित मार्गदर्शन करके शोध कार्य में सहयोग दिया।

मैं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. पी. के. त्रिपाठी एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों का आभारी हूँ जिन्होंने अध्ययन हेतु पुस्तकें उपलब्ध कराकर अपना सहयोग दिया।

मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ सरदार पटेल विश्वविद्यालय के अंतर्गत आनेवाली बी.एड़ कॉलेज आणंद कॉलेज ऑफ एजूकेशन का तथा उसके प्राचार्य का जिन्होंने अपने विद्यालय में पढ़ रहे प्रशिक्षणार्थियों से जानकारी प्राप्त करने का अमूल्य अवसर प्रदान

किया। इसके साथ ही विद्यालय के समस्त अध्यापकगण का जिन्होंने शोध कार्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

मैं विशेष आभारी हूँ दिलिपभाई वसावा(सह–अध्यापक) आणंद कॉलेज ऑफ एजूकेशन आणंद, जिनके विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन द्वारा मेरे शोधकार्य की पूर्णता हुई। जिसके लिये मैं सदैव उनका ऋणी रहूँगा।

मैं सहृदय से आजीवन ऋणी रहूँगा मेरे माता–पिता श्री योगेन्द्र सिंह राउलजी पिता तथा स्व श्रीमती भावनाबा का तथा मेरे छोटे भाई किर्तिराज छोटी बहन श्रेया एवं मेरे मामा–मामी का तथा मेरे समस्त परिवार का जिन्हों ने आत्मीय व्यवहार अविस्मरणीय वात्सल्य पूर्ण सहयोग प्रदान कर मेरे आत्मबल को प्रतिबल प्रोत्साहित किया जिनकी प्रेरणा मेरे मनःचक्षु में पुष्प की तरह पल्लवित पुष्पित होती रही है। मेरे संस्था के सभी मित्रगण एवं आत्मीय जन जिन्होंने शोध लेखन के दौरान आयी हुई कठिनाईयों का समाधान करने में मुझे प्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान किया तथा इस कार्य की पूर्णता में प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी आत्मीयजनों के प्रति हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ।

मैं शोध लेखन के समयावधि के प्रत्येक क्षण जो मुझे जीवन पर्यन्त अविस्मरणीय रहेंगे। मैं जीवन पर्यन्त इनका चिरऋणी रहूँगा।

स्थानः क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान **शोधकर्ता**

दिनांकः

अनिरुध्ध सिंह राउलजी

एम.एड.छात्र

क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.),

श्यामला हिल्स, भोपाल

अनुक्रमणिका

घोषणा–पत्र I

प्रमाण–पत्र II

आभार ज्ञापन III-IV

विषय–वस्तु पृष्ठ क्रमांक

अध्याय प्रथम– शोध परिचय 1–12

1.1 प्रस्तावना

1.2 अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

1.3 समस्या कथन

1.4 अध्ययन के उद्देश्य

1.5 शोध में प्रयुक्त शब्दावली की परिभाषा

1.6 शोध की सीमाये एवं परिसीमायें

अध्याय द्वितीय –संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन 13–25

2.1 प्रस्तावना

2.2 संबंधित साहित्य के पुनरावलोकन से लाभ

2.3 संबंधित साहित्य के पुनरावलोकन

2.4 साहित्य का अवलोकन शोध से कैसे संबंधित है।

अध्याय तृतीय – शोध विधि तथा प्रक्रिया 26–32

3.1 भूमिका :–

3.2 न्यादर्श

3.3 न्यादर्श का चयन

3.4 शोध प्रतिदर्श की विशेषताएँ

3.5 शोध में प्रयुक्त चर

3.6 प्रतिदर्श प्रमाण

3.7 शोध में प्रयुक्त उपकरण

3.8 प्रदत्तों का संकलन

3.9 शोध कार्य में प्रयुक्त सांख्यिकी

अध्याय चतुर्थ–प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या 33–54

4.1 भूमिका–

4.2 प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या–

अध्याय पंचम–शोध निष्कर्ष एवं भावी शोध हेतु सुझाव 55–6

5.1 भूमिका

5.2 शोध कार्य का शैक्षिक महत्व

5.3 समस्या कथन

5.4 शोध में प्रयुक्त चर

5.5 अध्ययन के उद्देश्य

5.6 शोध प्रश्न

5.7 शोध निष्कर्ष

5.8 प्रतिदर्श चयन

5.9 शोध अध्ययन का सीमांकन

5.10 सुझाव

5.11 भावी शोध हेतु सुझाव

संदर्भ ग्रन्थ सूची

परिशिष्ट

शोध कार्य का उपकरण

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
Regional Institute of Education
पुस्तकालय
Library